CHAPTER 8, जामुन का पेड़

PAGE 110, प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:1

1. बेचारा जामुन का पेड़। कितना फलदार था।
और इसकी जामुनें कितनी रसीली होती थीं।

(क) ये संवाद कहानी के किस प्रसंग में आए हैं?

(ख) इससे लोगों की किस मानसिकता का पता चलता है?

उत्तर:

(क) ये संवाद सचिवालय के लॉन में जामुन के पेड़ के गिरने से संबंधित हैं। रात के तूफान में, सचिवालय के लॉन पर खड़ा जामुन का पेड़ गिर गया और एक आदमी उसके नीचे दब गया। सुबह माली ने इसे देखा और क्लर्कों को सूचित किया। वे सभी वहां इकट्ठा होते हैं, वे सभी जामुन की यादों और संस्मरणों में खो कर इसके गुणों को कह रहे हैं, लेकिन उनमें से कोई भी इसके नीचे दबे व्यक्ति के बारे में चिंतित नहीं है।

(ख) इस संवाद से यह प्रतीत होता ही कि लोग कितने संवेदनहीन हो चुके हैं । लोग जामुन के रसीले फल का स्मरण कर रहे हैं लेकिन उस गिरे हुए पेड़ के नीचे दबे हुए व्यक्ति के प्रति कोई सहानुभूति नहीं दिखा रहे हैं और ना ही उसको बचाने कि कोशिश कर रहे हैं। इससे समाज के लोगों का स्वार्थी और संवेदनहीन चरित्र प्रकट हो रहा है ।

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:2

2. दबा हुआ आदमी एक कवि है, यह बात कैसे पता चली और इस जानकारी का फ़ाइल की यात्रा पर क्या असर पड़ा?

उत्तर : माली ने जामुन के पेड़ के नीचे दबे व्यक्ति को खिचड़ी खिलते हुए बताया कि अगले दिन सेक्रेटेरियेट के सारे सेक्रेटरियों की मीटिंग में उसका केस प्रस्तुत किया जायेगा और आशा है कि उसको पेड़ के नीचे से निकाल लिया जायगा । यह सुन कर उस व्यक्ति ने कराहते हुए एक शेर कहा, जिसको सुनते ही माली को मालुम चल गया कि वह व्यक्ति एक कवि है। दुसरे

दिन ये बात आग कि तरह पूरे शहर में फ़ैल गई।
जैसे ही यह मालूम चलता है कि जामुन के पेड़ के नीचे दबा हुआ व्यक्ति एक कवि है, उसके केस कि फाइल कल्चर डिपार्टमेंट भेज दी जाती है । कल्चर डिपार्टमेंट में केवल कागज़ी कार्यवाही होती है और वह व्यक्ति पेड़ के नीचे दबा रहता है।

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:3

3. कृषि-विभाग वालों ने मामले को हॉर्टीकल्चर विभाग को सौंपने के पीछे क्या तर्क दिया?

उत्तर : कृषि विभाग के लोगों ने तर्क दिया कि कृषि विभाग को अनाज और खेती से संबंधित मामलों में निर्णय लेने का अधिकार है। जामुन फलदार पेड़ हैं इसलिए मामला बागवानी विभाग के अंतर्गत आता है और उन्हें इस मामले में फैसला लेना चाहिए। इसके बाद उन्होंने फाइल कृषि विभाग को सौंप दी।

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:4

4. इस पाठ में सरकार के किन-किन विभागों की चर्चा की गई

है और पाठ से उनके कार्य के बारे में क्या अंदाजा मिलता है?

उत्तर : इस पाठ में सरकार के निम्नलिखित विभागों की चर्चा की गई है-

(क) व्यापार-विभाग - इस विभाग का काम देश में होने वाले व्यापार से सम्बन्धित है।

(ख) एग्रीकल्चर-विभाग - कृषि सम्बन्धित काम देखना इसी विभाग का काम है।

(ग) हॉर्टिकल्चर-विभाग - फूल एवं उद्यान सम्बन्धी काम।

(घ) मेडिकल-विभाग - चिकित्सा सम्बन्धी काम।

(ङ) कल्चरल-विभाग - इसका सम्बन्ध कला-संस्कृति एवम् साहित्य से है।

(च) फ़ॉरेस्ट-विभाग - इसका सम्बन्ध वन एवं वन्य-सम्पदा से है।

(छ) विदेश-विभाग - इसका कार्य विदेशी राज्यों के साथ आपसी सम्बन्ध और समझौते कायम करने के लिए है।

पाठ से पता चलता है कि किसी भी विभाग में संवेदना नहीं है,हरेक विभाग अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहता है।

PAGE 110, प्रश्न - अभ्यास-पाठ के आस-पास

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास:1

5. कहानी में दो प्रसंग ऐसे हैं, जहाँ लोग पेड़ के नीचे दबे आदमी को निकालने के लिए कटिबद्ध होते हैं। ऐसा कब-कब होता है और लोगों का यह संकल्प दोनों बार किस-किस वजह से भंग होता है?

उत्तर :

<u>पहला प्रसंग</u> : पहली बार जामुन के नीचे दबे एक व्यक्ति को बाहर निकालने के लिए कटिबद्ध होने की घटना कहानी की शुरुआत में आती है। जब माली के कहने पर वह इकठ्ठा भीड़ दबे व्यक्ति को बहार निकलने के लिए तैयार। तभी वहाँ सुपरिडेंट आ जाता है और भीड़ को रोक देता है। इसके बाद वह ऊपर के अधिकारीयों पूछने बात कहता है। इस प्रकार पहली बार संकल्प

भंग हो जाता है।

<u>दूसरा प्रसंग</u> : दूसरी घटना लंच के समय आती है। जामुन के पेड़ के नीचे दबे व्यक्ति को बाहर निकालने के लिए बनी फाइल आधे दिन तक सेक्रेटेरियट में घूमती रहती है किन्तु कोई फैसला नहीं हो पाता है। कुछ क्लर्क सरकारी फैसला का इंतज़ार किये बिना पेड़ हटाने को तत्पर थे तभी सुपरिन्टेनडेंट हाथ में फाइल लेकर भागा-भागा आया और कहा कि यह पेड़ हम नहीं हटा सकते है क्यूंकि यह कृषि विभाग के अधीन आता है। कृषि विभाग के आदेश के बाद पेड़ हटवा दिया जायेगा। इस प्रकार दूसरी बार फाइल अन्य विभाग में भेजने के कारण लोगों का संकल्प भंग हो जाता है।

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास: 2

6. यह कहना कहाँ तक युक्तिसंगत है कि इस कहानी में हास्य के साथ-साथ करुणा की भी अंतर्धारा है। अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दें।

उत्तर : यह कहना पूरी तरह से सही है कि इस कहानी में हास्य

के साथ-साथ करुणा का भी समावेश है। एक व्यक्ति एक पेड़ के नीचे दब गया है, लोग एक भीड़ में चारों ओर खड़े हैं। वे सभी उसके रसदार जामुन की चर्चा कर रहे हैं। लेकिन दबे हुए आदमी को बचाने की कोई कोशिश नहीं की गई है। क्लर्कों, अधिकारियों और विभागों की भद्दी हरकतें हास्य के साथ करुणा जगाती हैं। माली केवल उस पर दया करता हैं और उसे भोजन देता है। कुछ लोग एक आदमी को काटने और उसे प्लास्टिक सर्जरी से जोड़ने की बात करते हैं। अति संवेदनहीनता इसी को कहते हैं। संस्कृति विभाग के सचिव उन्हें अकादमी का सदस्य बनाते हैं, उनसे मिठाई मांगते हैं लेकिन उन्हें बचाने की कोशिश नहीं करते। देशो के आपसी सम्बन्ध के नाम पर आम आदमी की बलि दी जा सकती है। ये सभी घटनाएं करुणा की गहराई को व्यक्त करती हैं।

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास:3

7. यदि आप माली की जगह पर होते, तो हुकूमत के फैसले का इंतज़ार करते या नहीं? अगर हाँ, तो क्यों? और नहीं, तो क्यों?

उत्तर : अगर मैं माली की जगह पर होता तो सरकार के फैसले के इंतजार नहीं करता। मैं दफ्तर के सभी लोगो को प्रेरित कि किसी सरकारी आदेश की प्रतीक्षा किये बिना व्यक्ति को बहार निकालने में मदद करे । यदि लोग डरते तो उन्हें समझता की पेड़ काटना अपराध है परन्तु गिरे हुए पेड़ हटाना अपराध नहीं है इसलिए हमें उस दबे हुए व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए।

PAGE 110, प्रश्न - अभ्यास - शीर्षक सुझाइए

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - शीर्षक सुझाइए:1

8. कहानी के वैकल्पिक शीर्षक सुझाएँ। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखकर शीर्षक गढ़े जा सकते हैं -

1. कहानी में बार-बार फ़ाइल का ज़िक्र आया है और अंत में दबे हुए आदमी के जीवन की फ़ाइल पूर्ण होने की बात की कही गई है।

2. सरकारी दफ़्तरों की लंबी और विवेकहीन कार्यप्रणाली की ओर बार-बार इशारा किया गया है।

3. कहानी का मुख्य पात्र उस विवेकहीनता का शिकार हो जाता

है।

उत्तर : उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर हम कहानी के कुछ वैकल्पिक शीर्षक सुझा सकते हैं:

1. सरकारी दफ्तर में जीवन की फाइल!
2. सरकारी दफ्तर में फाइल का सफर!
3. एक फाइल एक मौत ।

PAGE 111, प्रश्न - अभ्यास -भाषाकीबात:

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात:1

1. नीचे दिए गए अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी प्रयोग लिखिए - अर्जेंट, फारेस्ट डिपार्टमेंट, मेंबर, डिप्टी सेक्रेटरी, मिनिस्टर, अंडर सेक्रेटरी, हॉर्टी कल्चर डिपार्टमेंट, एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट

उत्तर:

अंग्रेज़ी-शब्दहिंदी-शब्द

अर्जेंट	आवश्यक
फ़ॉरेस्टडिपार्टमेन्ट	वन-विभाग
मेम्बर	सदस्य
डिप्टी सेक्रेटरी	उप-सचिव
एग्रीकल्चरल डिपार्टमेंट	कृषि-विभाग
चीफ सेक्रेटरी	मुख्य सचिव
मिनिस्टर	मंत्री
अंडर-सेक्रेटरी	अवर-सचिव
हौर्टीकल्चरल डिपार्टमेंट	उद्यान-कृषि विभाग

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात:2

2. इसकी चर्चा शहर में फ़ैल गई और शाम तक गली-गली से शायर जमा होने शुरू हो गए- यह एक संयुक्त वाक्य है, जिसमें दो स्वतंत्र वाक्यों को समानाधिकरण समुच्चयबोधक शब्द और से जोड़ा गया है।

संयुक्त वाक्य को इस प्रकार सरल वाक्य में बदला जा सकता है - इसकी चर्चा शहर में फैलते ही शाम तक गली-गली से शायर

जमा होने शुरू हो गए। पाठ में से पाँच संयुक्त वाक्यों को चुनिए और उन्हें सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए।

उत्तर :

1. संयुक्त वाक्य: माली ने अचम्भे से मुंह में ऊँगली दबा ली और चकित भाव से बोला।
   सरल वाक्य: माली अचम्भा व्यक्त करते हुए मुंह में ऊँगली दबाकर चकित हो कर बोला।

2. संयुक्त वाक्य: इतना बड़ा कवि- 'ओस के फूल' का लेखक और हमारी अकादमी का मेम्बर नहीं है।
   सरल वाक्य: 'ओस के फूल' का लेखक इतना बड़ा कवि होने के बावजूद हमारी अकादमी का मेम्बर नहीं है।

3. संयुक्त वाक्य: जामुन का पेड़ चूँकि फलदार पेड़ है,इसलिए यह पेड़ हौर्टीकल्चर डिपार्टमेंट के अंतर्गत आता है।
   सरल वाक्य: एक फलदार पेड़ होने के कारण जामुन का पेड़ हौर्टीकल्चर डिपार्टमेंट के अंतर्गत आता है।

4. संयुक्त वाक्य: आधा आदमी उधर से निकल आएगा और पेड़ वहीँ का वहीँ रहेगा।

सरल वाक्य: आधे आदमी के उधर से निकल जाने के बाद भी पेड़ वहीं का वहीं रहेगा।

5. संयुक्त वाक्य: कल यह पेड़ काट दिया जाएगा,और तुम इस संकट से छुटकारा हासिल कर लोगे।

सरल वाक्य: कल इस पेड़ के कटते ही तुम्हें इस संकट से छुटकारा हासिल हो जायेगा।

11:1:8:प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात:3

3. साक्षात्कार अपने-आप में एक विधा है। जामुन के पेड़ के नीचे दबे आदमी के फ़ाइल बंद होने (मृत्यु) के लिए ज़िम्मेदार किसी एक व्यक्ति का काल्पनिक साक्षात्कार करें और लिखें।

उत्तर : जामुन के नीचे दबे आदमी की फाइल बंद होने (मौत) के लिए जिम्मेदार अधीक्षक और साक्षात्कारकर्ता के बीच

काल्पनिक साक्षात्कार।

साक्षात्कारकर्ता: क्या आप इस विभाग के अधीक्षक हैं?

अधीक्षक: हाँ!

साक्षात्कारकर्ता: तब आपको पता होगा कि आपके लॉन में एक पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है।

अधीक्षक: मेरे पास इसके लिए दोष देने के लिए कुछ भी नहीं है।

साक्षात्कारकर्ता: आपने माली को पेड़ हटाने के लिए रोका।

अधीक्षक: देखिए सर, हम सरकारी कर्मचारी हैं, इसलिए नियमों और कानून के दायरे में काम करना पड़ता है।

साक्षात्कारकर्ता: आपके दायरे में कोई फर्क नहीं पड़ता।

अधीक्षक: नहीं! यह बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा हम चाहते हैं...

साक्षात्कारकर्ता: लेकिन क्या?

अधीक्षक: मैंने तुमसे कहा था कि न तो मैं कानून के दायरे से बाहर नहीं जा सकता हूं। मुझे कई जवाब देने हैं।

साक्षात्कारकर्ता: लेकिन यह कहाँ लिखा है कि मरने वाले को छोड़कर आप सरकारी प्रक्रियां पहले पूरी करे।

अधीक्षक: मैं खुद को कैसे तय करूं? यह कार्य मेरे विभाग से संबंधित नहीं था।

साक्षात्कारकर्ता: तो इस गरीब व्यक्ति की मृत्यु के लिए कौन जिम्मेदार है?

अधीक्षक: मैं इसके बारे में और बात नहीं करना चाहता। मैंने वही किया जो मुझे सही लगा। नमस्कार।